हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 26 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 35.5 डिग्री से.
न्यूनतम 24.7 डिग्री से.

सीधे सफाई कर्मी को मिले शौचालय का ठेका

मौजूदा व्यवस्था में आधा पैसा कर्मचारी को तो आधा घर बैठे ठेकेदार को मिल रहा

- निगम की मीटिंग में गूंजेगा शौचालयों के टेंडर का मामला
- कर्मचारियों का वेतन भी बढ़ा पार्षदों की ज्यादा कर्मचारी तैनात करने की मांग
- अभी एक करोड़ 17 लाख में दिया गया था 1 साल का टेंडर
- कई शौचायलों की हालत बनी हुई है दयनीय, लोगों को नहीं मिल पा रही सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर के सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नगर निगम की आगामी बजट बैठक में सार्वजनिक शौचालयों के नए टेंडर का मुद्दा जोरदार तरीके से उठने की संभावना है। विपक्ष और कई पार्षदों का आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था में सफाई का पूरा लाभ जनता को नहीं मिल रहा, जबकि सरकारी धन खर्च होने के बावजूद अधिकांश शौचालयों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि व्यवस्था ऐसी है जिसमें आधा पैसा कर्मचारियों पर खर्च होता है और बाकी राशि ठेकेदार को बिना पर्याप्त जवाबदेही के मिल जाती है। ऐसे में पार्षद टेंडर प्रक्रिया, सफाई व्यवस्था और खर्च की पारदर्शिता पर जवाब मांगने की तैयारी में हैं। हालांकि होना ऐसा चाहिए कि सफाई का ठेका सीधे सफाई कर्मचारी को मिले और वह सीधे तौर पर सफाई के लिए जिम्मेदार हो। ऐसे में ठेके की राशि भी नहीं बढेगी। 133 शौचालयों के लिए 66 कर्मी भी तैनात करने पड़े तो केवल सैलरी से ही काम हो जाएगा और एक कर्मचारी के पास केवल दो ही शौचालय की जिम्मेदारी रहेगी।

शहर के शौचालय का फाइल फोटो।

17 को समाप्त हो चुका टेंडर

नगर निगम द्वारा सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और संचालन के लिए जारी टेंडर 17 जुलाई को समाप्त हो चुका है। शहर में 133 से अधिक सार्वजनिक शौचालय हैं, जिनकी देखरेख ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा की जाती है। पिछले वर्ष यह टेंडर करीब 1.17 करोड़ रुपये में दिया गया था। पार्षदों का कहना है कि कम कर्मचारियों के कारण नियमित सफाई प्रभावित होती है। नए टेंडर में बढ़ी लागत और शर्तों पर बजट बैठक में चर्चा होने की संभावना है।

हर शौचालय पर हो एक कर्मचारी

कई पार्षदों की मांग है कि प्रत्येक शौचालय पर एक कर्मचारी तैनात किया जाए, ताकि सफाई व्यवस्था बेहतर हो सके। केवल टेंडर राशि बढ़ाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। ठेकेदार की जवाबदेही तय करने और नियमित निगरानी की जरूरत है। कई शौचालयों में सफाई, पानी, बिजली और रखरखाव की सुविधाएं अभी भी खराब हैं।

बढ़ सकती है इस बार टेंडर की राशि

बजट बैठक में नए टेंडर की शर्तों, कर्मचारियों की संख्या और निगरानी व्यवस्था पर फैसला हो सकता है। पार्षदों का मानना है कि पर्याप्त स्टाफ और पारदर्शी व्यवस्था से सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति में सुधार आएगा।

शहर में आज

- वार्ड- 9 मे आज से नालों की सफाई का अभियान सुबह 8 बजे
- कर्मचारी संघों की कर्मचारी भवन में मांगों को लेकर बैठक सुबह 11 बजे
- कारगिल दिवस पर एमडीयू में श्रद्धांजलि कार्यक्रम सुबह 9 बजे

खबर संक्षेप

अज्ञात कार की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

महम। महम-गोहाना रोड पर खेड़ी महम गांव के पास सड़क हादसे में स्कूटी सवार धर्मवीर की मौत हो गई। मृतक के भतीजे बिट्टू निवासी फरमाणा खास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके चाचा धर्मवीर महम में रेहड़ी लगाते थे और रोजाना इलेकक्ट्रिक स्कूटी से गांव आते-जाते थे। गत रात करीब 9 बजे वह महम से फरमाणा गांव जा रहे थे। खेड़ी महम के पास अज्ञात कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रात 10 से सुबह 4 बजे तक चले नाइट डोमिनेशन अभियान से हड़कंप

खुले में जाम छलकाने वालों पर कसा शिकंजा, 246 पर एक्शन

ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में 60 लोगों के काटे चालान

- किसी से उठक-बैठक कराई तो किसी ने पकड़े कान
- पुलिस ने चेतावनी देकर छोड़ा तीन देसी पिस्तौल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जब शहर नींद में था, तब पुलिस सड़कों पर कानून का पहरा दे रही थी। शुक्रवार रात 10 बजे से शनिवार सुबह 4 बजे तक चले नाइट डोमिनेशन अभियान में रोहतक पुलिस ने खुले में शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों से लेकर अवैध हथियार रखने वालों तक पर शिकंजा कस दिया। जिलेभर में तीन हजार से अधिक वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते मिले 246 लोगों पर कार्रवाई की गई, 136 वाहनों के चालान काटे गए, जिनमें 60 ड्रिंक एंड ड्राइव के मामले शामिल रहे। वहीं दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तीन देसी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने कई स्थानों पर अचानक नाकेबंदी कर अपराधियों की धरपकड़ की। वहीं, किसी पर उठक-बैठक करवाई और आमजन को कानून का पालन करने की सख्त चेतावनी भी दी।

संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी

एसपी गौरव राजपुरोहित के निर्देश पर शुक्रवार रात चलाए गए इस विशेष अभियान में जिले के सभी थाना प्रभारी, सीआईए यूनिट, पीसीआर, राइडर और गश्ती टीमें पूरी रात सक्रिय रहीं। शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पार्कों, एटीएम, होटल और ढाबों सहित संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। पैदल गश्त के जरिए संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई।

एआई जनरेटेड

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते मिले युवक

नाइट डोमिनेशन अभियान के दौरान पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन कर कानून व्यवस्था भंग करने वाले 246 लोगों के खिलाफ धारा 172 बीएनएस के तहत कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे आम लोगों को भी असुविधा होती है और शांति व्यवस्था प्रभावित होती है। अभियान के दौरान ऐसे लोगों को सख्त चेतावनी भी दी गई कि भविष्य में इस तरह की हरकत दोहराने पर और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीट बेल्ट का उल्लंघन व यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर कार्रवाई

नाइट डोमिनेशन अभियान के दौरान पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 136 चालान किए। इनमें 60 चालान ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में काटे गए। इसके अलावा बिना हेलमेट वाहन चलाने, वाहन संबंधी जरूरी दस्तावेज साथ न रखने, सीट बेल्ट का उल्लंघन करने और अन्य यातायात नियम तोड़ने वाले चालकों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस तरह के विशेष अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे।

दो अलग-अलग मामलों में आरोपियों को किया गिरफ्तार

सीआईए-1, सीआईए-2 और अन्य विशेष टीमों ने अभियान के दौरान हिस्ट्रीशीटरों, दुष्चरित्र व्यक्तियों और संदिग्ध लोगों की भी जांच की। इसी दौरान दो अलग-अलग मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन देसी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वहीं एक अन्य आरोपी से चोरी की स्कूटी भी बरामद की गई।

संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरन्त दें

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस की गश्त लगातार बढ़ाई जा रही है। आमजन से भी अपील की गई कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

-आयुष यादव एएसपी।

अचानक नाकेबंदी कर वाहनों की जांच

पुलिस ने अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटल, ढाबों, पार्कों और एटीएम के आसपास विशेष चेकिंग की। कई स्थानों पर अचानक नाकेबंदी कर वाहनों की जांच की गई, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सका। अधिकारियों ने बताया कि रात के समय अपराध रोकने और आमजन में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से नाइट डोमिनेशन अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है।

कोचिंग छात्र को अगवा कर 15-20 युवकों ने पीटा

युवक से फोन पर मैसेज भेजने को लेकर हुई थी कहासुनी

रोहतक। शहर में कोचिंग कर रहे 16 वर्षीय छात्र के साथ कथित तौर पर रास्ता रोककर अपहरण करने, डंडों से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। लाखन माजरा थाना पुलिस ने छात्र की शिकायत पर नामजद युवकों सहित 15-20 आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सोनीपत जिले के गांव रिढाणा निवासी मूदित ने बताया कि उसकी उम्र 16 वर्ष है और वह इस समय रोहतक में पीडब्ल्यू में कोचिंग कर रहा है। वह प्रतिदिन रोहतक से अपने गांव आता-जाता है। करीब एक सप्ताह पहले उसकी आदित्य नामक युवक से फोन पर मैसेज भेजने को लेकर कहासुनी हुई थी। 23 जुलाई को वह अपने साथी प्रिंस के साथ लाखन माजरा-नांदल रोड पर अपनी स्कूटी लेने जा रहा था। इसी दौरान चिंटू, आदित्य, लकी, निनी और दो अन्य युवकों ने रास्ता रोक कर मारा पीटा, शरीर पर कुल आठ चोटें आई।

भिवानी तक फैला नशे का नेटवर्क

रोहतक से लाई 7.25 ग्राम हेरोइन संग ट्रक चालक पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भिवानी सीआईए स्टाफ-2 ने 7.25 ग्राम हेरोइन के साथ ट्रक चालक शुभम निवासी सेवा नगर, भिवानी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर दिनोद रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। पूछताछ में शुभम ने बताया कि वह पेशे से ट्रक चालक है और हेरोइन रोहतक से खरीदकर भिवानी में बेचने के लिए लाया था। आरोपी को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब नशा तस्करी के नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिमांड के दौरान मिली जानकारी के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने रोहतक में किस व्यक्ति से हेरोइन खरीदी थी।

आधी रात दिल्ली बाइपास पर सड़क बनी अखाड़ा, यातायात रहा प्रभावित

दो कारों की टक्कर, जमकर चले लात-घूंसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दिल्ली बाइपास पर देर रात दो कारों की टक्कर के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला सड़क पर मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसों से हमला कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराया। देर रात दिल्ली बाईपास पर दो कारों की आपस में टक्कर हो गई।

शुरुआत में विवाद केवल गलती को लेकर कहासुनी तक सीमित था, लेकिन देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और सड़क पर ही जमकर मारपीट शुरू हो गई। मारपीट होते देख आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन विवाद नहीं थमा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति पर नियंत्रण पाया। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से जानकारी जुटाने के साथ दोनों पक्षों से पूछताछ भी शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के कारण कुछ समय के लिए दिल्ली बाइपास पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया।

सीसीटीवी जांच रही पुलिस

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है। यदि किसी पक्ष की शिकायत मिलती है और जांच में मारपीट की पुष्टि होती है, तो संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

दिल्ली-हिसार एनएच 9 पर बड़ा हादसा

डायल 112 गाड़ी से टकराई बाइक, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

दिल्ली-हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर-9 पर महम के पास डायल 112 गाड़ी और बाइक की टक्कर में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खरकड़ा निवासी साहिल ने बताया कि उसके पिता सुखबीर शनिवार सुबह बाइक से महम से गांव लौट रहे थे। इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास उनकी बाइक डायल 112 गाड़ी से टकरा गई। हादसे में सुखबीर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों का आरोप है कि उन्हें समय पर मदद नहीं मिली। बाद में अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

महम। हादसे के बाद दिल्ली हिसार एनएच 9 पर खड़ी पुलिस की डायल 112 गाड़ी व हादसे में जान गवाने वाला सुखबीर सिंह।

घर में घुसकर हमला, चाकूबाजी और गालियां देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अर्बन स्टेट थाना पुलिस ने विशाल नगर निवासी एक महिला की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, चाकू से जानलेवा हमला, जातिसूचक शब्द कहने, गाली-गलौज करने और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को दी शिकायत में विशाल नगर निवासी सरोज पत्नी सज्जन सिंह ने बताया कि वह परिवार और दो छोटे बच्चों के साथ घर पर थी। उसकी बेटी का पति के साथ मनमुटाव चल रहा है। आरोप है कि हेमलता उसकी बेटी के पति से बातचीत करती थी, जिसका उसकी बेटी ने विरोध किया था। शिकायत के अनुसार, इसी रंजिश के चलते दोपहर 2 बजे हेमलता, उसका पति पुनीत और उसकी मां हथियारों से लैस होकर उनके घर में घुस आए और बेटी पर हमला कर दिया। इस दौरान पुनीत ने जातिसूचक गालियां दीं। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके बेटे पर भी चाकू से हमला कर दिया। हेमलता और उसकी मां ने बेटे को पकड़ लिया, जबकि पुनीत ने उस पर चाकू से वार किए। सरोज ने आरोप लगाया कि जब वह बचाव के लिए आगे आई तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया तथा दो छोटे बच्चों पर भी हमला करने का प्रयास किया। हमले में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने सरोज की शिकायत पर हेमलता, उसके पति पुनीत और उसकी मां के खिलाफ विभिन्न धाराओं, जिनमें एससी/ एसटी एक्ट की संबंधित धाराएं भी शामिल हैं, के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनडीसी, संपत्ति कर और भवन प्लान के मामलों को समय पर निपटाने के निर्देश

नगर निगम अब एक बार ही रिवर्ट कर सकता है आवेदन

कमी मिली तो नगर निगम खुद करेगा फोन, एक ही बार लौटाई जा सकेगी फाइल

रोहतक। मीटिंग लेते नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र दुहन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम में अब संपत्ति कर बकाया भुगतान, अदेय प्रमाण पत्र (एनडीसी), भवन प्लान स्वीकृति और संपत्ति आईडी से जुड़े आवेदनों के निस्तारण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाया जाएगा। यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी पाई जाती है तो अब नगर निगम के अधिकारी या कर्मचारी स्वयं आवेदक को फोन कर बताएंगे कि किस दस्तावेज की कमी है और उसे जमा कराने के बाद ही आवेदन पर आगे कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसी आवेदन को दस्तावेजों की कमी के आधार पर केवल एक बार ही रिवर्ट (वापस) किया जा सकेगा। नगर निगम आयुक्त सत्येन्द्र दुहन ने भवन शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा और नियमों के अनुसार सभी कार्य पूरे किए जाएं। संपत्ति कर बकाया भुगतान और अदेय प्रमाण पत्र (एनडीसी) के लिए पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और बिना ठोस कारण के उन्हें वापस न किया जाए। अक्सर यह देखने में आता है कि एक ही आवेदन को बार-बार रिवर्ट कर अलग-अलग दस्तावेज मांगे जाते हैं, जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानी होती है और उनका समय भी खराब होता है। इसे देखते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी है तो एक ही बार में सभी आपत्तियां दर्ज कर आवश्यक दस्तावेजों की सूची आवेदक को उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद आवेदन को दोबारा उसी कारण से रिवर्ट नहीं किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन आवेदनों में दस्तावेज अधूरे हैं, उन आवेदकों से स्वयं संपर्क कर आवश्यक कागजात मंगवाएं और नियमानुसार उनके मामलों का समाधान करें। इससे लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और आवेदन प्रक्रिया भी तेज होगी।

उठाए जा रहे सुधारात्मक कदम

आयुक्त सत्येन्द्र दुहन ने नागरिकों से भी अपील की कि भवन प्लान स्वीकृति, संपत्ति आईडी में सुधार, एनडीसी अथवा अन्य किसी भी सेवा के लिए आवेदन करते समय सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रूप से संलग्न करें, ताकि उनके कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने कहा कि नगर निगम का मुख्य उद्देश्य आमजन को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है तथा इसी दिशा में लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

ये रहे मौजूद

बैठक में संयुक्त आयुक्त मंजीत सिंह, जिला नगर योजनाकार तिलकराज, भवन निरीक्षक शनिदेव कुमार, रवि कुमार और विकास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हरिभूमि पहल — मेरा शहर मेरी समस्या — पटेल नगर, देव कॉलोनी, झंग कॉलोनी और सुभाष नगर

लोगों को सता रहा बीमारियों का खतरा

सीवर ओवरफ्लो से शहरवासी बेहाल कई कॉलोनियों में घरों तक पहुंचा पानी

बदबू और गंदगी के कारण लोगों का घरों में रहना हुआ मुश्किल ● शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ स्थायी समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में इन दिनों सीवर ओवरफ्लो की समस्या लगातार विकराल होती जा रही है। जगह-जगह सीवर जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जबकि कई इलाकों में यह लोगों के घरों तक पहुंच गया है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में पटेल नगर, देव कॉलोनी, झंग कॉलोनी और सुभाष नगर शामिल हैं। लगातार बनी इस समस्या से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। पाडा मोहल्ला, देव कॉलोनी, झंग कॉलोनी और सुभाष नगर के लोगों ने बताया कि कई गलियों में पिछले कई दिनों से सीवर का गंदा पानी जमा है। नालियां उफान पर हैं और सीवर का पानी घरों के आंगन, बरामदों और कमरों तक पहुंच चुका है। बदबू और गंदगी के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि गंदगी और दुर्गंध के कारण ग्राहक बाजार आने से बच रहे हैं, जिससे कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। गलियों में भरे गंदे पानी के कारण पैदल चलना मुश्किल हो गया है। कई जगह सड़कें फिसलन भरी हो चुकी हैं, जिससे बुजुर्गों और बच्चों के गिरने का खतरा बना हुआ है। वहीं मच्छरों की संख्या बढ़ने से डेंगू, मलेरिया और अन्य जलजनित बीमारियों का डर भी लोगों को सता रहा है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चे घर से बाहर निकलने में भी हिचकिचा रहे हैं।

लोगों की मांग, सीवर लाइनों की व्यापक सफाई करवाई जाए

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार नगर निगम और संबंधित अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। कभी-कभार कर्मचारी मौके पर पहुंचकर औपचारिक सफाई कर देते हैं, लेकिन कुछ ही दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। लोगों ने मांग की है कि सीवर लाइनों की व्यापक सफाई कराई जाए, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदली जाए और नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो।

कई दिनों से सीवर का गंदा पानी मकान के बाहर जमा

पिछले कई दिनों से सीवर का गंदा पानी घर के बाहर जमा है। कई बार शिकायत की, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। बदबू के कारण घर में बैठना भी मुश्किल हो गया है। -विनोद

बच्चों व बुजुर्गों को आने जाने में हो रही भारी दिक्कत

सीवर का पानी सड़क पर बहने से बच्चों और बुजुर्गों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। बरसात के बाद स्थिति और खराब हो गई है। निगम को तुरंत स्थायी समाधान करना चाहिए। -गुरदीप

कुछ समय बाद फिर वही हाल हो जाता है

गंदगी और मच्छरों के कारण बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। सफाई कर्मचारी आते हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही हाल हो जाता है। नियमित सफाई और सीवर लाइन की मरम्मत जरूरी है, तभी स्थाई समाधान हो जाएगा। -सतीश

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास की समस्याओं से हैं परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

10वीं-12वीं की प्रतिभाओं को किया सम्मानित, नंदिनी को मिले 11 हजार

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भाली आनंदपुर में शनिवार को विद्यालय प्राचार्या सुनीता दांगी की अध्यक्षता में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम खजानी देवी चंदर फाउंडेशन' के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसमें बोर्ड परीक्षा की कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान कक्षा 12वीं में खंड स्तर और विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कुमारी नंदिनी को 11,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी नेहा को 5,100 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र खुशमीत को 4,100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इसी श्रृंखला में कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी स्वाति को 5,100 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी खुशी को 4,100 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा किरण को 3,100 रुपये की पुरस्कार राशि देकर उनका हौसला बढ़ाया गया। प्राचार्या सुनीता दांगी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और फाउंडेशन का इस सराहनीय पहल के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं गाँव के अनेक गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से मौजूद रहे।

मंच बच्चों में छिपी प्रतिभा को उजागर करने और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक: बिजेंद्र हुड्डा

■ राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल कलानौर में आयोजित किया गया खंड स्तरीय कल्चरल फेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

खंड कलानौर के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें सांस्कृतिक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कलानौर में भव्य खंड स्तरीय 'कल्चरल फेस्ट' का आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार हुड्डा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कला, संगीत और हरियाणवी लोक संस्कृति का जीवंत संगम देखने को मिला। नोडल अधिकारी व विद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व तथा ब्लॉक के समस्त सरकारी स्कूलों के समन्वय से आयोजित इस उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रोहतक बिजेंद्र हुड्डा एवं उप जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता चहल उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में कलानौर ब्लॉक के विभिन्न राजकीय विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा दी गई लोक नृत्य (फॉक डांस), सोलो डांस, रागिनी, लघु नाटिका और स्वर संगीत की प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रागिनी और लोक नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित हरियाणवी संस्कृति की सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

न्यूज डायरी

विद्यार्थियों को पौधे वितरित कर महत्व समझाया

रोहतक। सैनी एजुकेशन सोसायटी (रजि.) द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के निर्माण के उद्देश्य से भव्य पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रसिद्ध समाजसेवी श्री प्रेम सिंह दहिया सैनी ने विद्यार्थियों को पौधे वितरित किए और उन्हें प्रकृति संरक्षण का महत्व समझाया। सोसाईटी के प्रधान श्री अवनीश कुमार सैनी ने कहा कि वृक्ष धरती का आभूषण हैं।

सत्संग में गीता के संदेशों से श्रद्धालु हुए भावविभोर

रोहतक। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सान्निध्य में श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार, रोहतक द्वारा श्री कृष्ण कृपा मासिक सत्संग का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए। पूरे सत्संग स्थल पर राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष गूंजते रहे।

कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत: जांगड़ा

महम। जींद में प्रधानमंत्री मोदी की रैली में महम क्षेत्र से बड़ी संख्या में पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मान में शनिवार को काठ मंडी स्थित भाजपा कार्यालय में मैंगो मिल्क पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा और वरिष्ठ भाजपा नेता महंत सतीश दास ने कार्यकर्ताओं का स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनके अथक परिश्रम और संगठन के प्रति समर्पण से पार्टी निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रही है।

30 जुलाई तक लगेगा विशेष हार्ट चेकअप कैंप

रोहतक। बढ़ते हृदय रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करने और समय पर बीमारी की पहचान के उद्देश्य से मॉडल टाउन स्थित लाइफ केयर हॉस्पिटल द्वारा 22 जुलाई से 30 जुलाई तक विशेष हार्ट चेकअप कैंप आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में अनुभवी कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. हितेंद्र कौशिक की देखरेख में मरीजों की हृदय संबंधी जांचें की जाएंगी और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अंतर्गत टीएसमटी और केएफटी जैसी उन्नत जांचों की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। डॉ. राजेश जाले ने बताया कि आज की आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता तनाव, अनियमित खानपान, मधुमेह और उच्च रक्तचाप के कारण हृदय रोगों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

आम नागरिकों को नशे के खिलाफ जागरूकता का दें संदेश : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा नशा मुक्त युवा से विकसित भारत अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। सचिन गुप्ता ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। इच्छुक प्रतिभागी माई भारत के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। आवेदन एवं पंजीकरण की अंतिम तिथि 27 जुलाई निर्धारित की गई है। बताया कि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा नृत्य, गायन, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग, वाद-विवाद, रील मेकिंग, नारा लेखन तथा कविता लेखन प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं।

पठानिया पब्लिक स्कूल में देशभक्ति के उत्साह से मनाया कारगिल दिवस

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में शनिवार को कारगिल विजय दिवस श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों के साथ कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यार्थियों ने भाषण, कविता, समूह गीत, नृत्य और लघु नाटिका के माध्यम से भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रप्रेम को जीवंत किया। कक्षा दसवीं की छात्रा प्राची ने ओजपूर्ण कविता, जश्नूर ने हिंदी भाषण और अन्नया ने अंग्रेजी भाषण प्रस्तुत कर कारगिल युद्ध के वीरों को नमन किया।

सफाई अभियान के दावों पर सवाल : कॉलोनियों में नहीं पहुंच रहीं कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां

■ निगम ने शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर किए जारी

■ जगह-जगह लग रहे कचरे के ढेर बने परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम की ओर से शहर को स्वच्छ और रोगमुक्त बनाने के उद्देश्य से सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रतिदिन किसी न किसी वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाकर गलियों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई कराई जा रही है। निगम प्रशासन ने लोगों की सुविधा के लिए कूड़ा न उठने या सफाई कार्य में लापरवाही की शिकायत दर्ज कराने हेतु हेल्पलाइन नंबर 7303050200, 7303050800, 18001805007 और 8295900992 भी जारी किए हैं। इसके बावजूद शहर की कई कॉलोनियों में नियमित रूप से कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां नहीं पहुंचने से लोग परेशान हैं। तेज कॉलोनी, कृपाल आश्रम, लाढोत रोड, पुराना शहर के रहने वाले लोगों ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है बल्कि पिछले काफी समय से बनी हुई है।

बारिश में और बढ़ेगी समस्या

शहरवासियों ने मांग की है कि अब बारिश के मौसम में समस्या और ज्यादा बढ़ जाती है, बाहर कूड़ा डालकर आने में भी समय लगता है। निगम सभी वार्डों के लिए कूड़ा संग्रहण का निश्चित समय और रूट सार्वजनिक करे तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी कॉलोनी कई दिनों तक सेवा से वंचित न रहे।

VIKALP PUBLIC HIGH SCHOOL
CBSE AFF. No. 530760
Jasbir Colony, Rohtak
URGENTLY REQUIRED
- Nursery Teacher (NTT)
- PRT-1 • PGT Music – 1
- PGT Fine Arts – 1
- TGT SSt
- Librarian – 1
- School Nurse – 1
- Counsellor – 1

Eligibility: Candidates must possess the required qual. per CBSE norms with good communication skills and a passion for education.
Interested candidates may send their updated resume with Passport Size Photo to 9896564000, 9992426760
or Mail at vikalppublicschool@gmail.com

विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल, करौंथा के कक्षा 11वीं एवं 12वीं (वाणिज्य संकाय) के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को रोहतक में शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने एक औद्योगिक इकाई (फैक्ट्री) का भ्रमण कर उत्पादन प्रक्रिया, आधुनिक मशीनों के संचालन, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, विपणन तथा औद्योगिक प्रबंधन की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों की कार्य प्रणाली से परिचित कराया।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- Computer Operator 2
- PRO 4
- Nursing Staff 4
- Ward Boy 4
- Gate Keeper 4

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

श्रद्धांजलि — जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में कारगिल विजय दिवस पर प्रार्थना सभा

शहीदों के अदम्य साहस और बलिदान को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में टेरेसा हाउस द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक विक्रांत मायना, निदेशिका सान्या मायना, सहायक निदेशक डॉ. अमन अग्रवाल, प्रधानाचार्या डॉ. श्रुति शर्मा एवं हेडमिस्ट्रेस अनामिका बलहारा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण, कविता, गीत एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से कारगिल के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस विशेष सभा का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, साहस, अनुशासन एवं देश के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना था। इस सफल आयोजन के लिए टेरेसा हाउस के हाउस मास्टर अमन मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं समर्पित योगदान की हार्दिक सराहना की जाती है, जिनके नेतृत्व में विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम को गरिमामय एवं प्रेरणादायक बनाया।

विशेष प्रार्थना सभा की

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। विद्यार्थियों ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रप्रेम को याद किया। सभा का संचालन कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों मुदित एवं जय ने प्रभावशाली ढंग से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री मंत्र एवं राष्ट्रीय प्रतिज्ञा के साथ हुआ। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य मधुलिका, कोऑर्डिनेटर एकता, रितु खुराना, किरण चावला, रवनीत और दीपा आदि अध्यापकगण मौजूद रहे।

एमकेजेके कॉलेज में कार्यक्रम

रोहतक। महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय, रोहतक में शनिवार को 2 हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संदीप राना ने कारगिल विजय दिवस का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़कर कारगिल में तिरंगा लहराया था। कॉलेज प्राचार्या डॉ. रश्मि लोहचब ने कैडेट्स व वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि इस दिन का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना के शौर्य, त्याग और बलिदान को याद करना है।

आरकेपी स्कूल मदीना के विद्यार्थियों ने की देशभक्ति से संबंधित गतिविधियां

महम। मदीना के आरकेपी स्कूल में छात्रों ने कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाया। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य पर स्कूल में देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए विविध देशभक्ति से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालय के शैक्षणिक निदेशक साहिल दांगी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति तथा भारतीय सेना के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना और कारगिल युद्ध (1999) के वीर नायकों के शौर्य से उन्हें परिचित कराना था।

खबर संक्षेप

नेकी राम कॉलेज में वर्मीकल्चर इंटर्नशिप का हुआ समापन

रोहतक। पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय, रोहतक के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 24 दिवसीय व 120 घंटे की कौशल आधारित इंटर्नशिप वर्मीकल्चर एवं ऑर्गेनिक वेस्ट मैनेजमेंट का समापन समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह सांगवान के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष श्रीमती सुनीता बिरवाल की देखरेख में संपन्न हुआ। इंटर्नशिप समन्वयक डॉ. पिंकी देसवाल ने रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि एनईपी-2020 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में 24 प्रतिभागियों को 70 घंटे तकनीकी, 50 घंटे प्रायोगिक प्रशिक्षण और 20 घंटे नेतृत्व एवं उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण दिया। मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय, गोहाना की प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान रहीं।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ समापन

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खेड़ी साध में एससीईआरटी गुरुग्राम के दिशानिर्देशों तथा डाइट मदीना की प्राचार्या रितु पंडाल के मार्गदर्शन में ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं का सफल समापन हुआ। कार्यक्रम प्रधानाचार्या स्नेह रानी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। आयोजन में डाइट मदीना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सतीश शर्मा निर्णायक टीम के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिताओं में पोस्टर मेकिंग, कार्टून मेकिंग, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन एवं वाद-विवाद शामिल थे। इनमें रोहतक जिले के पांचों खंडों के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 980 छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

29 स्वर्ण, 16 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 51 पदक जीते

खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में रहा आदर्श स्कूल के खिलाड़ियों का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रिंसिपल मंजूलता ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मंजूलता ने बताया कि इस स्कूल के खिलाड़ियों ने 29 स्वर्ण, 16 रजत एवं 6 कांस्य सहित कुल 51 पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कबड्डी की अंडर-14 लड़कियों की टीम प्रथम स्थान पर रही तथा लड़कों की टीम द्वितीय स्थान पर रही। कबड्डी के 7 खिलाड़ियों का जिला स्तर के लिए चयन हुआ। एथलेटिक्स में विद्यालय ने 17 स्वर्ण, 14 रजत एवं 5 कांस्य पदक जीते। फुटबॉल में अंडर-14 बालिका टीम प्रथम तथा अंडर-17 बालिका टीम द्वितीय रही। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में मुक्केबाजी में शुभम, कुश्ती में दीपेंद्र व प्रतीक, ताइक्वांडो में जतिन, मॉडर्न पेंटाथलॉन में विवेक, शतरंज में वीरेन तथा कराटे में सुमित, चेतन, मयंक व शुभम ने स्वर्ण पदक जीते। हैंडबॉल में प्रिंस पुत्र सुखबीर, प्रिंस पुत्र प्रदीप, कार्तिक पुत्र सुखबीर, कार्तिक पुत्र सुरेंद्र, कार्तिक पुत्र ठण्डीराम , मयंक, हिमांशु, जानवी, लक्षिता एवं मीनाक्षी का जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ।

महम। खिलाड़ियों के साथ प्रिंसिपल मंजूलता, शिक्षक व प्रशिक्षक।

सॉफ्टबाल में गांव गिझी और दतौड ने मारी बाजी

सांपला। खंड स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के आखिरी दिन सॉफ्टबाल और बेसबॉल प्रतियोगिता हुई। फाइल मुकाबला अडर 14 आयु वर्ग में गिझी और भैंसरु की टीम में हुआ। जिसमें गिझी स्कूल की टीम विजेता रही। 17 आयु वर्ग में भी गिझी की टीम ने भैंसरु को हरा दिया। जबकि 19 आयु वर्ग में दतौड ने समचाना की टीम को हरा दिया। बेसबॉल में अंडर 14 और 17 आयु वर्ग में भैंसरु की टीम गिझी को हरा कर विजयी हुए। अंडर 19में में दतौड की टीम विजेता बनी। इस प्रतियोगिता में प्राचार्य सुनिता डीपी बिजेंद्र, सतबीर और पीटीआई संत कुमार का काफी सहयोग रहा। खंड शिक्षा अधिकारी सूरजभान सिंह ने बताया कि विजेता टीम अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

ब्लॉक स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में गर्ल्स हाई स्कूल समचाना प्रथम

रोहतक। सांपला ब्लॉक में आयोजित खो-खो प्रतियोगिता के बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। अंडर-14 में गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल समचाना ने प्रथम स्थान, कल्पना चावला स्कूल ने द्वितीय स्थान और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांधरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 में गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल समचाना ने प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी साध ने द्वितीय तथा सिंधोन स्कूल ने तृतीय स्थान पाया।

जिला क्रिकेट टूर्नामेंट में सोनीपत ने झज्जर को दी 89 रनों से करारी मात

रोहतक। चौधरी बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सोनीपत ने झज्जर को 89 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सोनीपत ने 50 ओवर में 9 विकेट के साथ 204 रन बनाए। टीम की तरफ से अली मलिक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 80 गेंदों में 50 रन बनाए। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी झज्जर की पूरी टीम 35.5 ओवरों में मात्र 115 रन पर सिमट गई।

एमडीएन पब्लिक स्कूल में इंटर लीग बास्केटबॉल प्रतियोगिता संपन्न, क्यूरियोसिटी लीग रही प्रथम

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल में शनिवार को कक्षा नौवीं से बारहवीं के छात्र-छात्राओं के लिए इंटर लीग बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना था। छात्र वर्ग के मुकाबलों में क्यूरियोसिटी लीग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। करेज लीग दूसरे और कन्विक्शन लीग तीसरे स्थान पर रही। छात्रा वर्ग में कन्विक्शन लीग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि क्यूरियोसिटी लीग दूसरे और करेज लीग तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य आर. एस. पंवार ने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होते, बल्कि व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और अनुशासन का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सीनियर कोऑर्डिनेटर रानी मलिक, मंजू शर्मा, कविता और सुशील ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फोन पे से बिना जानकारी 3.39 लाख का लोन, केस

रोहतक। शहर में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हिसार बाईपास स्थित चाय-पानी की दुकान संचालित करने वाले एक दुकानदार की फोनपे बिजनेस आईडी से उसकी जानकारी के बिना 3.39 लाख का लोन उठा लिया गया। लोन की राशि एक अज्ञात व्यक्ति के केनरा बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी गई। मामले का खुलासा तब हुआ, जब पीड़ित को फोनपे की ओर से लोन बकाया होने का कॉल आया। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में रैनकपुरा, गली नंबर-2 निवासी नवीन देशवाल ने बताया कि जून के अंतिम सप्ताह में उसे फोनपे की ओर से कॉल आई, जिसमें लोन बकाया होने की जानकारी दी गई। इसके बाद जांच करने पर पता चला कि उसकी आईडी से 27 मई को 3.39 लाख का लोन स्वीकृत किया था, जिसमें से 3.25 लाख की राशि डिस्बर्स दिखाई गई।

शिक्षा भारती विद्यालय में स्व. डॉ. आदित्य बतरा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

रोहतक। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वावधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संचालित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में डॉ. आदित्य बत्रा की पावन स्मृति में श्रद्धांजलि सभा एवं भावपूर्ण स्मृति मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्या भारती के पदाधिकारियों, विद्यालय प्रबंध समिति, आचार्यों, पूर्व छात्रों तथा शहर के गणमान्य नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।मुख्य वक्ता क्षेत्रीय संगठन मंत्री विजय नड्डा ने कहा कि डॉ. बत्रा का जीवन सेवा, सादगी और संगठन के प्रति निष्ठा का उदाहरण था। वहीं डॉ. मेनका बत्रा ने उनके दर्शाए मार्गों पर चलने का संकल्प दोहराया। स्मृति मिलन के दौरान उपस्थित लोगों ने डॉ. बत्रा से जुड़े संस्मरण भी साझा किए। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष करन विग, प्रबंधक रामचरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एस.के. गुप्ता, डॉ. एस.एन. मिश्रा, चेतराम, सुरेंद्र अत्री, अनुराग जैन और डॉ. दिनेश मदान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

ब्लॉक स्तरीय कल्चरल फेस्ट-2026 में छात्रों ने बिखेरा सांस्कृतिक छटा का जादू

रोहतक। लाखन माजरा के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय कल्चरल फेस्ट-2026 का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि उनके साथ जिला समन्वयक सुनीता अहलावत और खंड शिक्षा अधिकारी साधना भी उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता के परिणामों में कक्षा 5वीं से 8वीं वर्ग की रागिनी में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लाखन माजरा प्रथम, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, इंदरगढ़ द्वितीय व राजकीय उच्च विद्यालय, चांदी तृतीय स्थान पर रहे। वहीं कक्षा 9वीं से 12वीं वर्ग के फोक डांस में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, घरौंठी ने बाजी मारी, जबकि पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, टिटौली द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुंदरपुर तृतीय रहे। ग्रुप डांस में पीएम श्री टिटौली स्कूल प्रथम रहा।

गवर्नमेंट कॉलेज मोखरा में मनाया कारगिल विजय दिवस, शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

महम। मोखरा के साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक प्रेरणादायक देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनू नैन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं सर्वोच्च बलिदान के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना था। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी कोमल और शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार की देखरेख में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. विनोद ने अपने प्रेरणादायी व्याख्यान में कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि, ऑपरेशन विजय, भारतीय सेना की वीरता तथा शहीद सैनिकों के अद्वितीय बलिदान पर प्रकाश डाला।प्रिंसिपल डॉ. मीनू नैन ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें उन वीर सैनिकों के अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र की अखंडता एवं सम्मान की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करते हैं।

गढ़ी-सांपला-किलोई के पात्र परिवारों के लिए 26 जुलाई को लगेगा अंत्योदय मेला : उपायुक्त

महम। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना (एमएमएपीयूवाई) 2.0 के अंतर्गत गढ़ी-सांपला-किलोई विधानसभा क्षेत्र के लगभग 3 हजार पात्र लाभार्थियों की पहचान की गई है। इन परिवारों के लिए 26 जुलाई (रविवार) को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक रोहतक स्थित जिला विकास भवन के डीआरडीए हॉल में अंत्योदय मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी चिन्हित लाभार्थियों को घर-घर जाकर मेले में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया गया है।

सुभाष रूहिल बने हरियाणा फ्लोर बॉल एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

रोहतक। हरियाणा फ्लोर बॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नई टीम की सर्वसम्मति से घोषणा की गई। सनसिटी क्लब में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय महासचिव डॉ. दीपेंद्र आर्य की उपस्थिति तथा चुनाव अधिकारी पुलकित वशिष्ठ की निगरानी में चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेंद्र फौगाट की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से सुभाष रुहिल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कर्मजीत नैन को उपाध्यक्ष, सुरजीत नैन को महासचिव, जगत चहल को सह सचिव, सुशील शास्त्री को कोषाध्यक्ष तथा विकास एवं प्रवीण को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र फौगाट ने सभी नव-मनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम के सहयोग से हरियाणा में फ्लोर बॉल खेल को नई पहचान और नई ऊंचाइयां मिलेंगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल्द ही राज्य स्तरीय फ्लोर बॉल लीग का आयोजन किया जाएगा, जिससे उभरती प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा।

जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 28 से

रोहतक। जिला स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 2026-27 का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह प्रतियोगिता 28 जुलाई से 2 अगस्त तक जिले के अलग अलग खेल मैदानों पर आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता ब्लॉक स्तर पर हुई प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे। अंडर-14 गर्ल्स 28 जुलाई को , अंडर-17 गर्ल्स 29 जुलाई, अंडर-19 गर्ल्स 30 जुलाई, अंडर-14 बॉयज 31 जुलाई, अंडर-17 बॉयज 1 अगस्त और अंडर-19 बॉयज 2 अगस्त को आयोजित कराए जाएंगे। हालांकि, बैडमिंटन गर्ल्स व बॉयज अंडर-17 व 19 का शेड्यूल अभी विभाग की ओर से जारी नहीं किया है। बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का शेड्यूल बाद में जारी किया जाएगा।

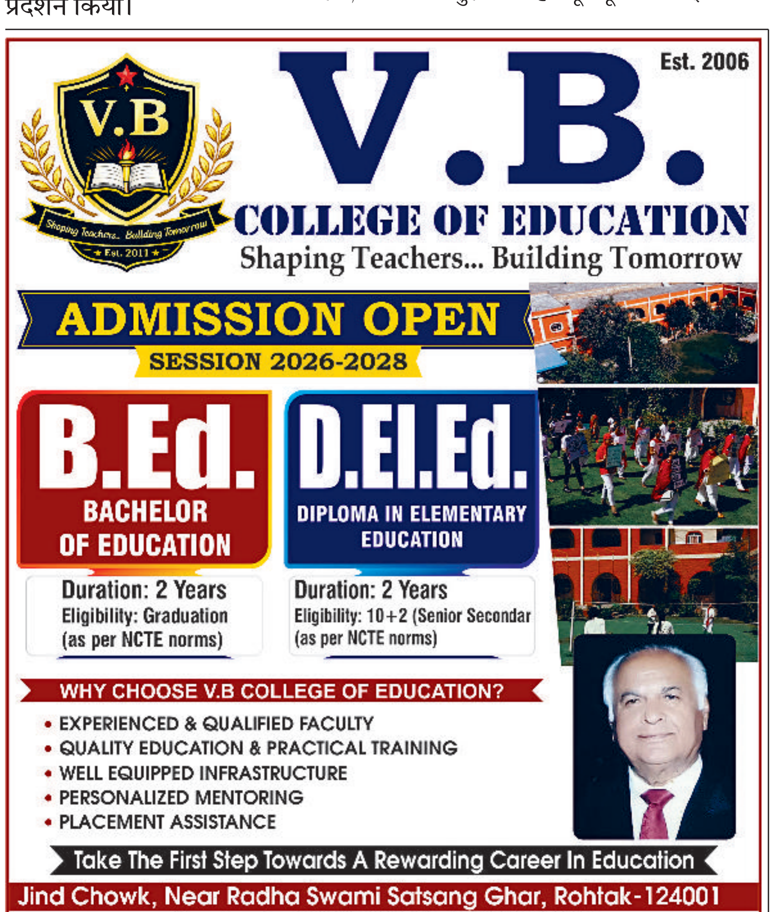

खबर संक्षेप

परचून की दुकान से नकदी व सामान चोरी

रोहतक। बहु अकबरपुर थाना क्षेत्र में चोरों ने एक परचून की दुकान का शटर तोड़कर 25 हजार की नकदी और कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने गांव हिमायूपुर निवासी सतीश की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है।

निर्माणाधीन मकान से लाखों का सामान चोरी

रोहतक। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के प्रेम नगर में निर्माणाधीन मकान से टाइल व पत्थर लगाने के काम में इस्तेमाल होने वाली मशीनें और अन्य सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने निखिल की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध हथियारों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तीन देसी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। अर्बन स्टेट थाना पुलिस ने भूपेंद्र पुत्र राकेश निवासी लाखन माजरा को गिरफ्तार किया। वहीं, शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने विक्की पुत्र राज सिंह निवासी गांव साघी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल बरामद की।

पानी लाने के बहाने किसान की बाइक लेकर फरार

रोहतक। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर-14, सांपला निवासी अजीत ने बताया कि वह दहकोरा रोड स्थित अपने खेत पर जा रहा था। रास्ते में एक युवक मिला, जो उसके साथ खेत तक चला गया। खेत में काम करने के दौरान युवक ने पानी लाने की बात कही। इस पर अजीत ने अपनी सहमति से उसे बाइक और उसकी चाबी दे दी। शिकायत के अनुसार, युवक पानी लाने के बहाने बाइक लेकर फरार हो गया।

दो महिलाएं लापता गुमशुदगी के केस दर्ज

रोहतक। शहर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो महिलाओं के लापता होने के मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिलाओं की तलाश शुरू कर दी है। पहले मामले में राजेंद्र नगर स्थित किराये के मकान में रहने वाली एक महिला अचानक लापता हो गई। वहीं, दूसरे मामले में अर्बन स्टेट थाना क्षेत्र के सेक्टर-2 पार्क में सफाई का कार्य करने वाली एक महिला भी लापता हो गई। तेज कॉलोनी निवासी युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि तीन वर्ष पहले उसके पिता का निधन हो चुका है। इसके बाद उसकी मां सेक्टर-2 पार्क में सफाई कर्मचारी के रूप में कार्य कर परिवार का पालन-पोषण कर रही थी। 20 जुलाई को दोपहर करीब तीन बजे वह अपने भतीजे के साथ बहादुरगढ़ जाने की बात कहकर घर से निकली थी।

जानलेवा हुए शहर के 166 पार्क व ग्रीन बेल्ट

2 माह से देखरेख करने वाला नहीं, 17 सोसायटी को दी गई थी जिम्मेदारी

- झूले-जिम टूटे, घास भी बढ़ी, मच्छरों और सांपों का भी रहता है खतरा
- जंग खाए ओपन जिम, टेंडर 30 जून को खत्म हो चुका, नए का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर की हरियाली इन दिनों अपनी ही बदहाली पर आंसू बहा रही है। जिन पार्कों में कभी बच्चों की खिलखिलाहट, बुजुर्गों की सैर और युवाओं की फिटनेस की रौनक रहती थी, वहां अब बढ़ी हुई घास, टूटे झूले, जंग खाए ओपन जिम और मच्छरों का आतंक नजर आ रहा है। करीब दो माह से अधिक समय से शहर के 166 पार्क और ग्रीन बेल्ट बिना देखरेख के लावारिश पड़े हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि पार्क जानलेवा बन चुके हैं। रखरखाव की जिम्मेदारी तय नहीं होने से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं और आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रिकार्ड में टेंडर 30 जून को खत्म हो चुका है लेकिन सम्बंधित एजेंसी की तरफ से इससे पहले ही पार्कों की देखरेख का जिम्मा छोड़ दिया गया था। नगर में पार्कों और ग्रीन बेल्ट के रखरखाव की जिम्मेदारी पहले 17 रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटियों को दी गई थी। इन सोसायटी के माध्यम से सफाई, घास की कटाई, पौधों की देखभाल और ओपन जिम व झूलों के रखरखाव का कार्य किया जाता था। लेकिन पिछले दो माह से अधिक समय से व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। नई व्यवस्था लागू नहीं होने और जिम्मेदारी स्पष्ट न होने के कारण अधिकांश पार्कों की नियमित देखरेख बंद हो गई है।

बच्चों की जान को खतरा

बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए झूले कई जगह टूट चुके हैं, जबकि ओपन जिम के उपकरण भी खराब हालत में पड़े हैं। कई उपकरणों पर जंग लग चुकी है और कुछ पूरी तरह उपयोग के लायक नहीं बचे हैं। ऐसे में पार्कों में आने वाले बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है।

हालात बिगड़ रहे

शहर के प्रमुख देवी लाल पार्क, हुडा पार्क, सेक्टर के अलग अलग एरिया में बने कई अन्य पार्कों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। पार्कों में लगी घास काफी ऊंची हो चुकी है, जिससे सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीवों का खतरा बढ़ गया है। जगह-जगह झाड़ियां फैलने लगी हैं और कई स्थानों पर कूड़े के ढेर भी दिखाई देने लगे हैं। बारिश के बाद जलभराव होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका भी बढ़ गई है।

निगम आयुक्त को पत्र भेजा

जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक खुराना ने नगर निगम प्रशासन की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्कों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। टेंडर खत्म हुए काफी समय हो गया है। पार्कों में सफाई नहीं हो रही है। घास बढ़ गई है। पानी जमा होने से मच्छर बढ़ रहे हैं। निगम प्रशासन को जल्द पार्कों की देखरेख के लिए व्यवस्था करनी चाहिए। निगम को भेजे गए पत्र में समय पर टेंडर न करने पर पार्कों की देखरेख में लापरवाही रखने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की भी मांग की गई है।

देखरेख का कार्य करवाया जाएगा

निगम अधिकारियों से मामले की जानकारी ली जाएगी। जल्द ही पार्कों की देखरेख का कार्य करवाया जाएगा। आमजन को किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी।
-रामअवतार वाल्मीकि, मेयर रोहतक

कहां गई 24 लाख रुपये की मशीन

नगर निगम द्वारा एक वर्ष पूर्व 24 लाख रुपये की कीमत से खरीदी गई ट्री ट्रिमिंग मशीन सफेद हाथी बन गई है। जिसका उपयोग नहीं हो रहा। मशीन के बारे में पूछा जाता है तो कोई जानकारी नहीं मिल पाती। ऐसे में सुबह शाम सैर करने वाले बुजुर्गों महिलाओं,बच्चों और अन्य नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहरवासी बोले-पार्षद से अधिकारियों तक कर चुके शिकायत

शहर के निवासियों का आरोप है कि निगम के अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। कई बार शिकायतें करने के बावजूद सफाई, घास कटाई और मरम्मत का काम शुरू नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो लाखों रुपये की लागत से विकसित किए गए पार्क पूरी तरह उजड़ सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि शहर के पार्क केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि स्वच्छ वातावरण और बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी बेहद जरूरी हैं। नियमित रखरखाव नहीं होने से हरियाली तेजी से खत्म हो रही है।

बाबा छोटूराम धाम के तालाब में मिला युवक का नग्न शव

- पहचान न होने से उलझी गुत्थी
- सुबह सैर पर निकले ग्रामीण तो शव पर पड़ी नजर
- एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य
- पुलिस कर रही शिनाख्त का प्रयास

रोहतक। शुक्रवार सुबह बाबा छोटूराम धाम का शांत माहौल उस समय सनसनी में बदल गया, जब तालाब में एक अज्ञात युवक का शव तैरता मिला। सैर के लिए निकले ग्रामीणों ने जैसे ही पानी में शव देखा, पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कलानौर थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। युवक की पहचान नहीं होने और शव पर कपड़े नहीं मिलने से मामला और भी रहस्यमय बन गया है। पुलिस के अनुसार, गांव पिलाना स्थित बाबा छोटूराम धाम के साथ लगते तालाब में शुक्रवार सुबह ग्रामीण घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान उनकी नजर तालाब में पड़े एक युवक के शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना कलानौर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार शव पर कोई कपड़ा नहीं था, जिससे उसकी शिनाख्त में कठिनाई आ रही है। शव को पहचान के लिए पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है। पहचान होने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिससे मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सके। कलानौर थाना पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का मिलान कर रही है। साथ ही आसपास के गांवों और अन्य जिलों से भी युवक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बरनाला लाठीचार्ज के विरोध में वाल्मीकि समाज का प्रदर्शन

दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। युवा नेता दिनेश कांगड़ा के नेतृत्व में प्रदर्शन करते वाल्मीकि समाज के लोग।

पंजाब के बरनाला में सफाई कर्मचारियों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में रोहतक में वाल्मीकि समाज ने युवा नेता दिनेश कागड़ा की अध्यक्षता में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पंजाब सरकार और बरनाला पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान डीएसपी सतबीर और पुलिसकर्मियों ने सफाई कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों, पर अत्यधिक बल प्रयोग किया। समाज के प्रतिनिधियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई।

नपा कर्मचारी संघ हरियाणा इकाई के प्रधान शम्भू टांक ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान स्वयं को दलित एवं कर्मचारी हितैषी बताते हैं, लेकिन वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है।

वाल्मीकि समाज ने मांग की कि कथित लाठीचार्ज में शामिल डीएसपी सतबीर सहित सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल सेवा से बर्खास्त किया जाए तथा उनके विरुद्ध एससी/एसटी एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए।

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में राकेश चावरिया, अशोक थोरिया, राजपाल टांक, रवि चौहान, कृष्ण मुरारी, भीम चावरिया, शंकर टांक, रवि चव्वनी, रवि चड्डा, सुभाष चावरिया, कंवल राणा, राजेश बागड़ी, राजकुमार टांक, रोहित बिड़लान, सतपाल बिड़लान, पवन राणा, रविन्द्र, प्रतीक बिड़लान, सीताराम, प्रदीप, बलबीर, पुनीत पवार, महिला नेत्री वर्षा बागड़ी, अनीता, सुशीला, अंजना, मालो, सरोज, कमलेश, सीमा, बबीता, रानी, सुमित्रा, संतोष, शारदा, समकोर, राजरानी आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मेडिकल एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, प्रबंधन एवं वाणिज्य संकाय तथा एनसीसी इकाई की ओर से देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। व्याख्यान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पोस्टर प्रतियोगिता और 'एक कैडेट-एक पौधा' अभियान के माध्यम से कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मेडिकल एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और दो मिनट के मौन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का साहस और बलिदान हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार और इंजीनियरिंग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. मुकेश सिंगला ने पौधे लगाकर युवाओं को पर्यावरण और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में सम्मेलन का आगाज, 450 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

रोहतक। स्कॉलर्स रोजरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को तीन दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। 24 से 26 जुलाई तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के करीब 450 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के तहत नीति आयोग सहित 11 समितियों का गठन किया गया है, जिनमें विद्यार्थी विभिन्न वैश्विक और समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन हरियाणा विधानसभा के सचिव राजीव प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री सम्मान (2026) से सम्मानित खेमराज सुंदरिया तथा पारुल विश्वविद्यालय के मुख्य जन सहभागिता अधिकारी आरजे क्षितिज उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति गुगनानी और रवींद्र गुगनानी ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

दयावती मोदी अकादमी में इन्वेस्टिचर सेरेमनी, छात्र पदाधिकारियों ने ली शपथ

रोहतक। दयावती मोदी अकादमी में छात्र नेतृत्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भव्य इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कर्नल संजीत सिरोही मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कर्नल संजीत सिरोही ने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन अपनाने और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। विद्यालय के नव-निर्वाचित छात्र पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की शपथ दिलाई गई। प्रधानाचार्य राजीव ढाका ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए छात्र पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

आंदोलनकारी छात्रों की जीत पर जनवादी महिला समिति ने दी बधाई

रोहतक। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की नेता सविता व उषा सरोहा ने पेपर लीक, शिक्षा के व्यापारीकरण और छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष करने वाले देशभर के छात्र-युवाओं को हार्दिक बधाई दी है। समिति ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के लोकतांत्रिक, साहसी और लगातार चले संघर्ष की महत्वपूर्ण जीत है। हम सब जानते हैं कि पेपर लीक की निरंतर घटनाओं ने लाखों छात्रों का भविष्य किस प्रकार संकट में डाल दिया है। इन घटनाओं से उत्पन्न निराशा और मानसिक दबाव के कारण अनेक छात्र-छात्राओं ने अपनी जान गंवाई।

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक संस्थान में शिक्षकों ने किया पौधरोपण

महम। राजकीय बहु-तकनीकी संस्थान महम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्रिंसिपल अशोक कुमार चौधरी द्वारा पौधरोपण करके किया गया। प्रधानाचार्य चौधरी ने बताया कि संस्थान परिसर में 150 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील की कि वे केवल पौधे लगाने तक ही सीमित न रहें, बल्कि उनके संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी भी निभाएं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

अच्छी पहल महम में चौबीसी चबूतरे पर हुई महापंचायत में खापों ने लिए कई अहम फैसले

अश्लीलता और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले कलाकारों व सोशल मीडिया इन्फलुएंसर का होगा सामाजिक बहिष्कार

हरियाणवी संस्कृति और संस्कारों को लेकर लिया कड़ा फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

महम। चौबीसी चबूतरे पर आयोजित खापों की महापंचायत में भाग लेते पंचायती। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को महम में चौबीसी सर्वखाप पंचायत महम द्वारा एक महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत की अध्यक्षता महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत के प्रधान सुभाष नम्बरदार ने की। इस महापंचायत में कई खापों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महापंचायत में प्रदेश के कई नामी कलाकार भी पहुंचे। इस दौरान सभी वक्ताओं ने कलाकारों और सोशल मीडिया इन्फलुएंसर से अश्लीलता, नंगा नाच, गन कल्चर और नशे को प्रोमेट न करने का आह्वान किया।

कहा कि अनेक कलाकारों द्वारा गंद कल्चर, अश्लीलता, गन कल्चर और नशे को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे युवक युवतियां भ्रमित हो रहे हैं। हरियाणवी संस्कृति और संस्कारों का ह्रास हो रहा है। वक्ताओं ने कहा कि हरियाणा की यह पहचान नहीं थी। इस पर तुरंत प्रभाव से रोक लगनी चाहिए। महापंचायत में निर्णय लिया गया कि यदि कोई कलाकार और सोशल मीडिया इन्फलुएंसर आगे से ऐसे विषयों पर गाने, वीडियो व ऑडियो जारी करेगा तो ऐसे कलाकारों का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। महापंचायत में पहुंचे कई कलाकारों ने खाप प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि वे आगे से ऐसे गाने न ही बनाएंगे और न ही ऐसे गाने गाएंगे। खापों के प्रतिनिधियों ने कहा कि कई बार गोशालाओं के लिए चंदा एकत्रित करने के लिए जो कलाकार बुलाए जाते हैं, तो वहां भी ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों के मंचों पर भी फुहड़ता के गाने सुनने को मिलते हैं। ब्याह शादियों और विभिन्न संस्थाओं के कार्यक्रमों में अश्लीलता व नंगा नाच करने वाले कलाकार बुलाए जाते हैं। आगे से ऐसे कार्यक्रम करवाने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही खाप पंचायतों ने सरकार से मांग की है कि सरकार निगरानी करे। नशे के खिलाफ भी पंचायत व सरकार कार्रवाई करें।विवाह शादी के कार्यक्रम में भी गन्द ना फैलाएं।वहीं सभी खापों ने फैसला लिया कि 29 जुलाई को सभी हरियाणा की खाप पंचायतें जंतर मंतर दिल्ली पहुंचेंगी और छात्रों का समर्थन करेंगी। मंच संचालन संदीप नहरा व संजय देशवाल ने किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मोखरा तपा प्रधान रामकिशन मलिक, दहिया खाप प्रधान सुरेंद्र दहिया, कलकल खाप प्रधान राजपाल, जाटू खाप 84 प्रधान कैप्टन भीम सिंह, कुंडू खाप प्रधान जयबीर, जगवन्त हुड्डा प्रवक्ता हुड्डा खाप, मास्टर रामफल राठी महासचिव महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत, कृष्ण बडाली प्रवक्ता, हुक्म सिंह सैमाण तपा प्रधान, दिलावर सिंह, सूरजमल राठी, काला मुंडिया लाखनमाजरा तपा प्रधान, धर्मबीर प्रधान अठगामा बहु खाप, दलबीर भराण प्रधान मोहन खाप समेत कई खापों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

पहली बार बिना हुक्के के हुई महापंचायत

हरियाणा में जब भी पंचायतों का आयोजन किया जाता है तो पंचायतियों द्वारा हुक्का गुड़गुड़ाया जाता है। हुक्के के बिना पंचायत की रौनक नहीं मानी जाती। लेकिन शनिवार को महम में चौबीसी चबूतरे पर हुई महापंचायत में इस बार हुक्का नहीं रखा गया। इस दौरान मंच से यह घोषणा की गई कि खाप पंचायतों के आयोजन में आगे से हुक्का नहीं रखा जाएगा। पंचायतों का आयोजन बिना हुक्के के ही किया जाएगा। पंचायतियों ने यह फैसला युवाओं में बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकने के लिए लिया है। ताकि युवा नशे से दूर रहे।

महापंचायत में ये कलाकार हुए शामिल

इस महापंचायत में रामकेश जीवनपुरिया, देव सिंह देवा, वीर साहू और अजय हुड्डा समेत कई कलाकार पहुंचे। जिन्होंने फुहड़ता, गन कल्चर और नशे के खिलाफ खापों द्वारा चलाए जा रहे अभियान की सराहना की। साथ ही खुद भी ऐसी सामग्री को बढ़ावा न देने का संकल्प लिया।

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए, बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए, इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलता है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने के बाद हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की

कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों

की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल

मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

गीत
प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सीजनल ट्रैवलिंग / समीर चौधरी

जुलाई-अगस्त के महीनों में जहां देश के अधिकांश हिस्से बारिश से सराबोर रहते हैं, वहीं कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थल, इस मौसम में और भी मोहक और आकर्षक हो जाते हैं। कहीं फूलों की घाटियां खिल उठती हैं, तो कहीं झरने, जंगल, पहाड़ और धुंध पर्यटकों को शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। यहां देश के ऐसे ही कुछ शानदार मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं।

मानसून में घुमक्कड़ी के लिए बेस्ट
ये अमेजिंग ट्रैवल डेस्टिनेशंस

हरियाली से ढंकी वादियों वाला कुर्ग

कर्नाटक राज्य में स्थित कुर्ग, दक्षिण भारत का सबसे विख्यात मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशन है। जुलाई-अगस्त के महीने में यह स्थान कोहरे से ढंके कॉफी प्लांटेशनों, पानी से भरे झरनों और हरे-भरे जंगलों में तब्दील हो जाता है। इन्हीं महीनों में ही यहां कक्काडा का कोडव माह भी पड़ता है, जब बांस, जंगली मशरूम और मेडिसिनल यूज वाली मड्डु थोप्प पत्तियां, स्थानीय व्यंजनों का हिस्सा बन जाती हैं। आप यहां पहाड़ों में लॉन्ग ड्राइव करते हुए ऐबी फाल्स, राजा की सीट और दुबारे एलीफैंट कैंप पर रुक सकते हैं या प्लांटेशन स्टे में रहकर बारिश का आनंद ले सकते हैं। *

शांत-मनमोहक हिल स्टेशन भंडारदरा

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत हिल स्टेशन है भंडारदरा। यह सह्याद्री की पहाड़ियों में प्रवारा नदी के किनारे बसा हुआ है और अपने शानदार झरनों, प्राचीन किलों और हरी-भरी वादियों के लिए जाना जाता है। यह मुंबई से लगभग 185 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से गाड़ी द्वारा यहां पहुंचने में करीब 4 से 4.5 घंटे का समय लगता है। यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक विल्सन डैम, प्रवारा नदी पर बना भारत के सबसे पुराने बांधों में से एक है। बारिश के मौसम में विल्सन डैम से गिरता हुआ पानी बिल्कुल छतरी जैसा आकार बनाता है, इसीलिए इसे अंब्रेला फॉल कहते हैं। यहां स्थित रंधा फॉल को 'इंडियन नियाग्रा फॉल्स' भी कहा जाता है, जो एक गहरी खाई में लगभग 170 फीट की ऊंचाई से गिरता है। इस धुंध भरे मौसम में भंडारदरा में कैंपिंग का भरपूर आनंद ले सकते हैं। *

हिमालय की गोद में बसी फूलों की घाटी

जुलाई-अगस्त में उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी, जो कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में लिस्टेड है, भी खिलने लगती है। हजारों अल्पाइन फूल पश्चिम हिमालय की गोद में बसी इस वादी को रंगों के इंद्रधनुष में बदल देते हैं। यह खूबसूरत घाटी साल में सीमित समय (1 जून से 31 अक्टूबर) के लिए ही खुलती है क्योंकि यह अधिकतर समय बर्फ से ढंकी रहती है। फूलों की घाटी की सैर करते हुए आप हेमकुंड साहिब भी जा सकते हैं जो एक सिख धर्मावलंबियों का तीर्थ स्थल है और इसी मौसम में दर्शन के लिए खुलता है। *

सुंदर-मनमोहक लैंडस्केप तवांग

अरुणाचल प्रदेश में तवांग की यात्रा करने के लिए भी सबसे अच्छा महीना जुलाई-अगस्त ही है। ऊंचाई पर बसे इस शहर में तापमान ठंडा रहता है और हरे-भरे पहाड़ी लैंडस्केप आकर्षित करते हैं। सेला पास, माधुरी झील और बुम-ला का कुदरती सौंदर्य आप कभी नहीं भूल पाएंगे। अगर मौसम खराब न हो तो कुछ समय 17वीं शताब्दी में निर्मित तवांग मठ में भी अवश्य गुजारें। यह भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ है। इसके साथ ही यहां फूलों भरी घाटियां और घुमावदार ग्लेशियर झीलें भी दर्शनीय हैं। *

जन्नत जैसा लाहौल-स्पीति

हिमाचल प्रदेश में पहले लाहौल और स्पीति के रूप में दो अलग-अलग जिले थे, लेकिन अब इन्हें मिलाकर एक जिला लाहौल-स्पीति कर दिया गया है। जुलाई के महीने में इस क्षेत्र में पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है, क्योंकि बर्फ पिघलना आरंभ हो जाती है और सड़कों पर चलना संभव हो जाता है। एडवेंचर पसंद करने वालों, प्रकृति प्रेमियों और शहरी जीवन की तेजी व शोर-शराबे से बचने वालों के लिए लाहौल-स्पीति जुलाई-अगस्त के महीनों में जन्नत जैसा हो जाता है। इस समय मौसम इतना सुहावना होता है कि ठंड का एहसास तक नहीं होता और गर्मी लगने का तो सवाल ही नहीं उठता है। सबसे अच्छी बात यह है कि लाहौल-स्पीति, रेन शैडो एरिया है, जिसका अर्थ है कि यहां जुलाई में न के बराबर बारिश पड़ती है, इसलिए जब देश के बाकी हिस्सों में मानसून अपने चरम पर होता है तो उससे बचने के लिए लाहौल-स्पीति में आनंदमय शरण ली जा सकती है। *

कांवड़ यात्रा शिवभक्ति के साथ संकल्प-श्रद्धा की पावन यात्रा

कंधों पर कांवड़, पैरों में छाले और जुबां पर सिर्फ एक ही उद्घोष- हर-हर महादेव। सावन आते ही सड़कों पर उमड़ता आस्था का यह जनसैलाब, सदियों पुरानी उस परंपरा की कहानी कहता है, जहां आस्था, त्याग और शिवभक्ति साथ-साथ चलते हैं।

आस्था / शिखर चंद जैन

शिव आराधना का सबसे पावन और कठिन अनुष्ठान है कांवड़ यात्रा। श्रावण मास की शुरुआत से ही चारों ओर 'बम-बम भोले', 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' की गूंज सुनाई देने लगती है। केसरिया वस्त्र पहने लाखों श्रद्धालु कांवड़िए पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, मानसिक संकल्प और शारीरिक सहिष्णुता का जीवंत प्रतीक है। ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर, केवल शिव भक्ति में लीन होकर एक ही दिशा में कदम बढ़ाना इस यात्रा को अलौकिक और अद्वितीय बनाता है।

कांवड़ यात्रा की शुरुआत: कांवड़ यात्रा की शुरुआत को लेकर कई धार्मिक-पौराणिक कथाएं एवं मान्यताएं प्रचलित हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार परशुराम जी को सबसे पहला कांवड़िया माना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास 'पुरा महादेव' नाम के दिव्य शिवलिंग की स्थापना की थी। परशुराम जी ने गढ़मुक्तेश्वर से पवित्र गंगाजल लाकर इस शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। उस समय श्रावण मास चल रहा था। तभी से इस परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष निकला, तो ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और उनका शरीर तपने लगा। शिव जी के शरीर की जलन को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया। रावण द्वारा वैद्यनाथ धाम में गंगाजल लाकर शिव जी को अर्पित करने की कथा भी प्रचलित है।

कांवड़ यात्रा की महत्ता: यात्रा के दौरान कांवड़िए मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और अपशब्दों से पूरी तरह दूर रहते हैं। बिना जूते-चप्पल के पैदल चलना सहनशीलता सिखाता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से गंगाजल लाकर शिव जी का अभिषेक करता है, उसकी सभी सांसारिक बाधाएं दूर हो जाती हैं और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

कई प्रकार की कांवड़ यात्राएं

सामान्य कांवड़: इसमें कांवड़िए आराम से यात्रा करते हैं। वे रास्ते में बने शिविरों में रुक सकते हैं, भोजन कर सकते हैं और सो सकते हैं। रुकने के दौरान कांवड़ को स्टैंड या पेड़ पर टांगा जाता है।

डाक कांवड़: इसमें जल भरने के बाद कांवड़िया बिना रुके लगातार दौड़ता या तेज चलता है। यदि कोई डाक कांवड़िया थक जाता है, तो उसकी टीम का दूसरा सदस्य कांवड़ लेकर दौड़ना शुरू करता है।

खड़ी कांवड़: इस यात्रा में कांवड़ को हमेशा गति में रखना होता है। यदि कांवड़िया आराम करता है, तो उसकी जगह किसी दूसरे सहयोगी को कांवड़ को अपने कंधे पर लेकर खड़े रहना या चलना पड़ता है।

दंडी कांवड़: इसमें श्रद्धालु नदी से जल भरने के बाद शिव मंदिर तक की पूरी दूरी साष्टांग प्रणाम करते हुए पूरी करते हैं। इस यात्रा को पूरा करने में हफ्तों या महीनों का समय लग जाता है।

प्रसिद्ध कांवड़ यात्राएं: भारत में दो सबसे बड़ी कांवड़ यात्राएं आयोजित होती हैं। पहली हरिद्वार यात्रा, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार, ऋषिकेश या गौमुख से गंगाजल भरते हैं। ये श्रद्धालु वापस आकर अपने स्थानीय शिव मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। दूसरी सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा। इस यात्रा में श्रद्धालु सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेते हैं और देवघर स्थित वैद्यनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग पर जल अर्पित करते हैं। *

भूमिका / शैलेंद्र सिंह

जंगलों के नायक-रक्षक फॉरेस्ट रेंजर

जंगली जानवरों ही नहीं वन संपदा की सुरक्षा करने और उन्हें संवर्धित करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका फॉरेस्ट रेंजर्स की होती है। ये किस-किस तरह की भूमिकाएं निभाते हैं, इस बारे में आपको भी जानना चाहिए।

जब भी भारत के बाघों की बढ़ती संख्या, एशियाई शेरों और काजीरंगा के गैंडों की सुरक्षा या हाथियों के संरक्षण की बात होती है, तो सुर्खियों में अकसर राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और सरकारी योजनाएं होती हैं। लेकिन इन सफलताओं के पीछे ऐसे हजारों चेहरे भी होते हैं, जिनका नाम शायद ही कभी सुर्खियां बनता हो। ये हैं हमारे फॉरेस्ट रेंजर और फ्रंट लाइन वन सुरक्षाकर्मी। ये वो लोग होते हैं, जो हर मौसम, हर परिस्थिति और हर खतरे के बीच जंगलों की रक्षा में दिन-रात डटे रहते हैं। यही कारण है कि 31 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व रेंजर दिवस केवल एक औपचारिक दिवस भर नहीं है, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

निभाते हैं कई भूमिकाएं: वन या फॉरेस्ट रेंजर का काम केवल जंगल में गश्त लगाना भर नहीं है, उसकी जिम्मेदारी वास्तव में किसी एक विभाग तक सीमित नहीं है। उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा करनी पड़ती है, अवैध शिकार पर नजर रखनी होती है, लकड़ी की तस्करी रोकनी होती है, जंगल में लगने वाली आग पर नियंत्रण पाना होता है, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में लोगों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है और कई बार घायल वन्यजीवों के बचाव अभियान में भी हिस्सा लेना पड़ता है। मतलब यह एक ऐसी नौकरी है, जिसमें हर दिन एक नहीं बल्कि कई तरह की चुनौतियों से निपटना होता है।

कठिनाइयों में निभाते दायित्व: एक वन रेंजर का दिन अकसर सूर्योदय से पहले शुरू हो जाता है। वह कई किलोमीटर तक पैदल गश्त करता है। दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ाई करता है। घने जंगलों में घंटों तक निगरानी करता है और रात में भी सतर्क रहना पड़ता है। यह सब उसके काम का हिस्सा है। बरसात, भीषण गर्मी या कड़ाके की ठंड, प्रकृति का कोई भी मौसम उसकी जिम्मेदारी को कम नहीं करता बल्कि कई बार उसे ऐसे इलाकों में काम करना पड़ता है, जहां मोबाइल नेटवर्क तक काम नहीं करता।

हर क्षेत्र में सक्रिय: निःसंदेह आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा जंगली बाघों वाला देश है। लेकिन यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियां बना देने भर का परिणाम नहीं है बल्कि उन वन कर्मियों की सतत मेहनत का भी नतीजा है, जो कैमरा ट्रैप की निगरानी करते हैं, जंगल में गश्त करते हैं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हैं और शिकारियों के खिलाफ कार्यवाई करते हैं। गुजरात में एशियाई शेरों की सुरक्षा का सवाल हो, असम में एक सींग वाले गैंडों का संरक्षण हो या दक्षिण भारत के हाथी गलियारों की निगरानी करनी हो, हर जगह वन रेंजर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं।

बढ़े हैं नए दायित्व: हाल के कुछ सालों में वन रेंजरों का कार्यक्षेत्र और भी ज्यादा व्यापक हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया के जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं और मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में वन रेंजर अब केवल वन्यजीवों के संरक्षक भर नहीं हैं बल्कि पर्यावरणीय आपदाओं से निपटने वाले अग्रिम प्रहरी भी बन गए हैं। वे जंगलों की स्थिति का आंकलन करते हैं, जलस्रोतों की निगरानी करते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर संरक्षण योजनाओं को लागू करते हैं। तकनीक ने इनके काम को नई दिशा दी है। आज कैमरा ट्रैप, ड्रोन, जीपीएस आधारित स्मार्ट पेट्रोलिंग, रेडियो कॉलर, सैटेलाइट मैपिंग और एआई जैसे उपकरण वन्यजीव संरक्षण में मदद कर रहे हैं। मगर ये सारी तकनीक सिर्फ सहायक हैं। अंतिम निर्णय और जोखिम उठाने का साहस केवल और केवल वन रक्षकों का ही होता है। इसलिए आज भी मौके पर त्वरित कार्यवाई वन रेंजरों की सूझबूझ और अनुभव के जरिए ही होती है।

रिस्क भी है बहुत: फॉरेस्ट रेंजर्स का काम जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जोखिम भरा भी है। कई बार उन्हें हथियाबंद शिकारियों और वन माफिया का भी सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जंगली हाथी, बाघ, तेंदुए या भालू जैसे वन्यजीवों से अचानक सामना भी जानलेवा हो सकता है। जंगल की आग, बाढ़, भू-स्खलन और विषैले जीव-जंतु भी उनकी राह में कई तरह के जानलेवा रोड़े अटकाते हैं। यह अकारण नहीं है कि दुनिया में हर वर्ष बड़ी संख्या में वन रेंजर ड्यूटी के वक्त अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व रेंजर दिवस वास्तव में ऐसे ही बहादुर वन रक्षकों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। *

एक्टिंग की दुनिया में विक्रांत मेसी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। टीवी से शुरू हुआ विक्रांत का सफर फिल्म और वेब सीरीज तक पहुंच चुका है। हर किरदार में कुछ नया तलाशने वाले विक्रांत इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। यहां प्रस्तुत है इस वेब सीरीज और एक्टिंग करियर पर विक्रांत मेसी से हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

लवस्टोरी बेस्ड बहुत दिलचस्प वेब सीरीज है 'मुसाफिर कैफे': विक्रांत मेसी

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

विक्रांत मेसी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उसके बाद विक्रांत ने फिल्मों में काम शुरू किया। उनको फिल्म '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कई वेब सीरीज में भी विक्रांत मेसी ने अलग-अलग तरह का अभिनय करके दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में विक्रांत मेसी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। साथ ही विक्रांत इस सीरीज के को-प्रोड्यूसर भी हैं। 'मुसाफिर कैफे' में उनका काम करने का अनुभव कैसा रहा? इसके अलावा अपने एक्टिंग करियर से जुड़े कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए विक्रांत मेसी ने।

रोमांटिक वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में आप एक्टर होने के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर भी हैं। इस वेब सीरीज को प्रोड्यूस करने और इसमें अभिनय करने का खयाल आपके मन में कैसे आया?

एक एक्टर की हमेशा ख्वाहिश होती है कि उसे अच्छी कहानी पर काम करने का या अभिनय करने का मौका मिले। मेरी भी हमेशा कोशिश रहती है कि मैं जो भी काम करूं या जो भी किरदार निभाऊं, उसमें मुझे कुछ अलग कुछ नया करने का मौका मिले। ऐसे में जब मुझे 'मुसाफिर कैफे' वेब सीरीज का ऑफर आया तो मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी, लिहाजा मैंने इस वेब सीरीज में एक्टिंग करने के साथ-साथ बतौर सह निर्माता भी नई शुरुआत की। चूंकि यह सीरीज नेटफ्लिक्स की है और मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहले भी काफी काम कर चुका हूं, इसलिए मुझे लगा कि मैं 'मुसाफिर कैफे' प्रोड्यूस भी करूं। यह लवस्टोरी पर बेस्ड बहुत ही दिलचस्प सीरीज है, जिसमें पहाड़ों में रोमांस दिखाया गया है।

'मुसाफिर कैफे' के एक सीन में को-एक्ट्रेस के साथ विक्रांत मेसी

'मुसाफिर कैफे' में रोमांस को दो तरीके से दिखाया गया है, जिसमें एक तरफ जवानी की शुरुआत के दौरान का प्यार है, जो हमें प्यार करना सिखाता है और दूसरी तरफ एक ऐसा भी प्यार है, जो सच्चे प्यार की अहमियत समझाता है। इन दोनों में से कौन-सा प्यार आपको आकर्षित करता है?

मेरे खयाल में अगर जिंदगी का तजुर्बा हासिल करना है तो दोनों प्यार का अनुभव पाना जरूरी है। एक बार प्यार में दिल टूटने के बावजूद अगर आपको दूसरा प्यार मिल जाता है तो इसके बाद आपको सच्चे प्यार की परख होती है। और यह फर्क तभी पता चलता है, जब आप दोनों प्यार की अच्छाई-बुराई का अनुभव करते हैं। जवानी में होने वाला प्यार आपको खुशी देता है, तो एक उम्र के बाद मैच्योरिटी में मिला प्यार आपको सुकून देता है। यही इस सीरीज में दिखाया गया है। इस सीरीज की कहानी दिव्य प्रकाश दुबे की नॉवेल पर बेस्ड है।

इस सीरीज में एक्टिंग के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभालना आपके लिए कितना मुश्किल या कितना आसान रहा?

सच कहूं तो मुझे तकनीकी पक्ष की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन शरण्या राजगोपाल जैसी सक्षम लेखिका और टेरीबली टिनी टेल्स जैसे बेहतरीन प्रोडक्शन पार्टनर की वजह से बतौर निर्माता मेरे लिए काम करना आसान हो गया। इनके साथ काम करने के बाद मुझे प्रोडक्शन या तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत नहीं पड़ी। अगर दमदार कहानी हो, अच्छी स्क्रिप्ट और पूरी तैयारी हो तो आपको सेट पर जाकर काम करना आसान हो जाता है।

आपने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करके बड़े पर्दे पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। '12वीं फेल' के लिए तो आपको राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। अपने इस सफर को आप कैसे देखते हैं?

राष्ट्रीय पुरस्कार पाना एक कलाकार के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात होती है। जब मुझे पता चला कि मुझे '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। बाकी जहां तक टीवी से फिल्म और फिल्म से वेब सीरीज तक अभिनय सफर की बात है तो वह मुश्किल भी रहा और मजेदार भी, क्योंकि आपको जब कड़ी मेहनत करने के बाद सफलता का मजा चखने का मौका मिलता है तो एक अंदरूनी खुशी होती है। जिसे बयां नहीं किया जा सकता है।

काम के प्रति आपका उत्साह, आपकी लगन और ऊर्जा आज भी बरकरार है। आपके प्रेरणा स्रोत कौन हैं?

एक एक्टर कभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता और उसे ऐसा लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यही जुनून उस एक्टर के लिए प्रेरणा स्रोत होता है। जब मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तो कई लोगों ने मुझे यही सवाल किया, 'आपका लक्ष्य तो पूरा हो गया, क्या आगे भी आप ऐसे ही काम के प्रति प्रोत्साहित रहेंगे?' ऐसे में मेरा यही मानना है पुरस्कार या सम्मान यात्रा के पड़ाव हैं। असली लक्ष्य है, अच्छी कहानी के जरिए आम लोगों के बीच सच में बदलाव करना। *